Satish Chandra Memorial School

Practice Test-2 (2025-26)

Hindi (Case Study)

Class- VIII

Full – Marks- 14

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए-

- तुम्हें क्या करना चाहिए, इसका उत्तर केवल तुम ही दे सकते हो। कोई अन्य व्यक्ति–यहां तक कि तुम्हारा सबसे प्रिय और विश्वासपात्र मित्र–तुम्हारे जीवन के निर्णायक क्षणों का उत्तरदायित्व नहीं उठा सकता। मनुष्य को चाहिए कि वह अनुभवियों की बातों को ध्यान से सुने, बुद्धिमानों की सलाह को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार करे, लेकिन अन्ततः निर्णय उसका स्वयं का हो। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे अपने कार्य ही हमारे भविष्य के निर्माता होते हैं। दूसरों की राय भले ही मददगार हो सकती है, लेकिन जब तक हम अपने मन से निर्णय नहीं लेते, तब तक हम सच्ची प्रगति नहीं कर सकते। स्वतंत्र विचार और स्वविवेक के बिना जीवन में ठोस दिशा नहीं मिलती। हमें आत्मनिर्भरता और आत्ममूल्यांकन की आदत डालनी चाहिए। वह व्यक्ति जो सदा दूसरों की बातों पर चलता है, वह स्वयं कभी नेतृत्व नहीं कर सकता। वह केवल अनुकरण कर सकता है। लेखक कहता है कि जिसकी दृष्टि सदा नीची रहती है, उसका सिर कभी ऊँचा नहीं उठता। यहाँ नीची दृष्टि प्रतीक है-दृढ़ता, आत्मबल और दूरदृष्टि के अभाव की। यदि हम सिर्फ पैरों के नीचे की ज़मीन देखते रहेंगे, तो कभी नहीं जान पाएँगे कि रास्ता हमें कहाँ ले जा रहा है। जीवन में सच्ची स्वतंत्रता केवल बाहर की नहीं, मन की भी होनी चाहिए। लेकिन यह स्वतंत्रता उद्दंडता या कठोरता नहीं होनी चाहिए। व्यवहार में कोमलता और उद्देश्य में ऊँचाई होनी चाहिए। संयम, विनम्रता और उच्च लक्ष्य - यही वो गुण हैं जो जीवन को सार्थक बनाते हैं। मन कभी निष्क्रिय न हो; विचारों में सजीवता होनी चाहिए। लेखक कहता है कि जिस व्यक्ति का लक्ष्य जितना ऊँचा होता है, उसकी उपलब्धियाँ भी उतनी ही ऊँची होती हैं। यह केवल सिद्धांत नहीं, अनुभवजन्य सत्य है। मनुष्य को स्वयं सोचने, निर्णय लेने, और दिशा चुनने का साहस करना चाहिए, क्योंकि यही गुण उसे आत्मनिर्भर, विवेकशील और सम्मानजनक बनाते हैं।

प्रश्नावली:

प्रश्न 1: लेखक के अनुसार निम्न में से किन तथ्यों से आत्मनिर्भरता का महत्व स्पष्ट होता है? (1 अंक)

(1) अपने निर्णय स्वयं लेना चाहिए

(2) दूसरों की राय कभी माननी ही नहीं चाहिए

(3) जीवन की दिशा स्वतंत्र विचार से तय होती है

(4) सच्ची प्रगति दूसरों के सहारे से होती है

विकल्प:

(क) केवल 1 और 3

(ख) केवल 2 और 4

(ग) केवल 1 और 4

(घ) केवल 2 और 3

प्रश्न 2: लेखक के अनुसार 'नीची दृष्टि' का क्या प्रतीकात्मक अर्थ है? (1 अंक)

(क) शारीरिक कमजोरी का प्रतीक

(ख) आत्मबल, दूरदृष्टि और दृढ़ता का अभाव

(ग) दूसरों से तुलना करना

(घ) विनम्रता और अनुशासन

प्रश्न 3: Assertion (A) और Reason (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही उत्तर का चयन कीजिए। (1 अंक)

Assertion (A): व्यक्ति को आत्मनिर्भर और विवेकशील बनना चाहिए। (1 अंक)

Reason (R): क्योंकि यही गुण उसे निर्णय लेने और समाज में सम्मान पाने योग्य बनाते हैं।

विकल्प:

(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(ग) A सही है परंतु R गलत है।

(घ) A गलत है परंतु R सही है।

प्रश्न–4 लेखक के अनुसार मनुष्य के भविष्य का निर्माण कौन करता है? (1अंक)

A. समाज

B. मित्र

C. उसके अपने कार्य

D. परिस्थितियाँ

प्रश्न 4: लेखक के अनुसार 'सच्ची स्वतंत्रता' किसे कहा गया है और वह जीवन में कैसे दिशा प्रदान करती है? (2 अंक)

प्रश्न 5: लेखक ने व्यक्ति को दूसरों की नकल न कर स्वयं निर्णय लेने पर क्यों बल दिया है? (2 अंक)

प्रश्न-6: लेखक के अनुसार मनुष्य को दूसरों की सलाह के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए? (2 अंक)

प्रश्न 7: "नीची दृष्टि" से लेखक का क्या अभिप्राय है? (2 अंक)

प्रश्न 8: लेखक के अनुसार सच्ची प्रगति के लिए कौन-से गुण आवश्यक हैं? (2 अंक)